A–602

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY–601

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन–01

MA JYOTISH (MAJY)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रों का परिचय देते हुए उनकी संज्ञाओं का भी विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

अथवा

ग्रह स्वरूप, उच्च नीच तथा मूल त्रिकोण का वर्णन कीजिए।

2. बुध–शुक्र–शनि के स्वरूप व कारकत्व का वर्णन कीजिए।

3. षोडश वर्ग का विस्तृत उल्लेख करें।

4. ग्रहों के नैसर्गिक मित्र व शत्रु ग्रहों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें साथ ही फलादेश में इसकी महत्ता पर भी प्रकाश डालिए।

5. ग्रह एवं भाव बल के साधन की आवश्यकता एवं विधि पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सप्त वर्ग से क्या तात्पर्य है वर्णन कीजिए।

अथवा

पंचम–नवम–दशम भाव से विचारणीय विषयों का उल्लेख कीजिए।

2. द्रेष्काण का सोदाहरण परिचय दीजिए।

3. दश वर्ग का परिचय दीजिए।

4. उग्र संज्ञक नक्षत्र कौन–कौन से है तथा इनमें प्रशस्त कार्यों का भी वर्णन कीजिए।

5. होरा से क्या तात्पर्य है ? वर्णन कीजिए।

6. चतुर्थांश साधन गणितीय दृष्टि से प्रतिपादित कीजिए।

7. ग्रह बल से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

8. शुक्र की शयन अवस्था का फल लिखिए।

अथवा

ग्रह की दृष्टि कितने प्रकार की होती है ? सविस्तार वर्णन कीजिए।

****